अनुक्रमांक …… मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7
नाम ……

102 302(BK)

2026
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **[पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – **खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखने वाले निम्न में से प्रथम विद्वान् हैं

i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
iii) गार्सा द तासी और शिव सिंह सेंगर
iv) डॉ० नागेन्द्र 1

ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की रचना है

i) कादम्बरी ii) चिन्तामणि iii) तारापथ iv) कुटज 1

ग) 'पंचपरमेश्वर' कहानी के लेखक हैं

i) जयशंकर प्रसाद ii) यशपाल iii) मुंशी प्रेमचन्द iv) अमरकान्त 1

घ) 'अंधेर–नगरी' किस विधा की रचना है ?

i) उपन्यास ii) कहानी iii) आत्मकथा iv) नाटक 1

ङ) 'गुनाहों का देवता' उपन्यास के रचनाकार हैं

i) धर्मवीर भारती ii) केदारनाथ सिंह iii) प्रेमचन्द iv) 'अज्ञेय' 1

2. क) कबीरदास भक्ति काल की किस शाखा से सम्बन्धित हैं ?

i) सगुण भक्तिधारा
ii) कृष्णमार्गी शाखा
iii) निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा
iv) मुक्ति काव्य धारा 1

ख) 'नीरजा' किसकी रचना है ?

i) जयशंकर प्रसाद की
ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की
iii) सुश्री महादेवी वर्मा की
iv) रामकुमार वर्मा की

UPBoardHub

ग) 'रीतिकाल' को किस विद्वान् ने 'कलाकाल' कहा है ?

i) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
iii) डॉ० रामशंकर शुक्ल 'रसाल'
ii) डॉ० नागेन्द्र
iv) मिश्रबंधु 1

घ) 'परिमल' के रचनाकार हैं

i) जयशंकर प्रसाद
iii) 'अज्ञेय'
ii) गजानन माधव मुक्तिबोध
iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 1

ङ) 'ग्राम्या' किसकी रचना है ?

i) महादेवी वर्मा की
iii) सुमित्रानंदन पंत की
ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की
iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए । राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोये हुए के समान हैं ।

विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का ठाट खड़ा करना है । यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह, और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए । हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान-विज्ञान के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

iv) लेखक ने राष्ट्र की सुप्त अवस्था कब तक स्वीकार की है ?

v) विज्ञान और श्रम के संयोग से राष्ट्र प्रगति के पथ पर कैसे अग्रसर हो सकता है ?

अथवा

न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन बिताने में भी कोई हर्ज नहीं है । महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है । आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिए है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं । लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) मनुष्य को सदैव किस प्रकार की जीवन शैली अपनानी चाहिए ?

iv) लेखक के अनुसार किस प्रकार का जीवन व्यतीत करने में परेशानी नहीं है ?

v) लेखक किसे एक दूसरे का विरोधी नहीं मानते हैं ?

UPBoardHub

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लान हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) प्रस्तुत पद्यांश में राधा ने अपनी तुलना किससे की है ?

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) श्रीकृष्ण के कमलवत चरणों को कौन चूमना चाहता है ?

v) राधा पवन-दूतिका से मुरझाए हुए पुष्प के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती है ?

अथवा

मैं नीर भरी दु:ख की बदली ।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'नयनों में दीपक से जलते' में कौन सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ?

iv) कवयित्री के निरंतर रुदन का क्या कारण है ?

v) उपर्युक्त पद्यांश में कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

i) हरिशंकर परसाई

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

UPBoardHub

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए !

iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिये ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के संदेश सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

UPBoardHub

(खण्ड–ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिर्व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातंत्र्यं गौरवम् अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृत भाषा सर्वासुभाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठ चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती इति ।

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिरकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेक काले एवं रूपं मुखम् क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयम् तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धक्षयामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते इत्याह – न मे रोचते भद्रं व उलूकस्याभिषेचनम् । अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

न चोरहार्यं न राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्या धनं सर्वधनं प्रधानम् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

i) नाच न आवै आँगन टेढ़ा

ii) नौ दो ग्यारह होना

iii) आँख दिखाना ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इच्छाएं नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं । उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है । यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द से थका मारता है । इस संसार को वह अभी राग-भाव से चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है । पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुंझलाहट ही उसे हाथ आती है ।

i) प्रवृत्ति और निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों रुक जाता है ? 1

ii) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है ? 2

iii) व्यक्ति को जीवन में कौन-सा द्वन्द थका देता है ? 2

अथवा

UPBoardHub

आज के अनेक आर्थिक और सामाजिक विधानों की भी जाँच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन की कमी से बनी हुई रूढ़ियों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न माँग को पूरा करने के लिये अपनाये गये उपाय या अन्य द्वारा थोपी गई या उनका अनुकरण का स्वीकार की गई व्यवस्थाएँ मात्र है । भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिन्दा रखा जा सकता है ।

i) युगानुरूप परिवर्तन एवं विकास न होने का क्या कारण है ? 1

ii) भारतीय सांस्कृतिक चेतना के कमजोर होने का मुख्य कारण क्या है ? 2

iii) 'परिस्थिति' एवं 'सांस्कृतिक' शब्दों का भाव स्पष्ट कीजिए । 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

i) तुरंग–तरंग –

(अ) हाथी और घोड़ा (स) कर्कश और ध्वनि
(ब) घोड़ा और लहर (द) विष और हलचल । 1

ii) कंगाल–कंकाल –

(अ) पक्षी और मृत शरीर (स) निर्धन और अस्थिपंजर
(ब) हड्डी और कंगन (द) स्वरूप और भूखा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

i) मंगल iii) विधि

ii) मित्र iv) द्विज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

i) ईश्वर में विश्वास करने वाला –

(अ) पुजारी (स) आस्तिक
(ब) संन्यासी (द) कर्मठ ।

ii) जो सब कुछ जानता हो –

(अ) ज्ञाता (स) सर्वज्ञ
(ब) विद्वान् (द) नीतिज्ञ ।

UPBoardHub

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

i) आपका आशीर्वाद चाहिए ।

ii) चाचाजी की दशा सोचनीय है ।

iii) मोहन मेरा कनिष्ठ भ्राता है ।

iv) राम की पिताभक्ति अनुकरणीय है ।

12. (क) 'शांत' रस अथवा 'हास्य' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'संदेह' अलंकार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सम्बन्धित कॉलेज में 'कम्प्यूटर ऑपरेटर' के पद पर नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिये जिसमें अपनी शैक्षिक योग्यता का भी उल्लेख हो । 2 + 4 = 6

अथवा

अपने गाँव में फर्जी राशन कार्डों की जाँच हेतु जिला पूर्ति अधिकारी को एक शिकायती पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

i) नयी शिक्षा नीति 2020 की विशेषताएं

ii) आतंकवाद की समस्या और समाधान

iii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान

iv) पर्यावरण संरक्षण का महत्व

v) जीवन में वृक्षारोपण का महत्व ।

UPBoardHub